अथ श्री पत्नी चालीसा

जै जै जै महारानी । हम पर कृपा करो भवानी ॥
तुमसे नाम हमारा ऊँचा । तुम्ही नीच तो सर हो नीचा ॥
तुमसे घर हो मथुरा काशी । तुम्ही घर की सत्यानाशी ॥
अपनाई तो झेली सदमा । छड़ी देई तो लड़ी मुकदमा ॥
मांग पर जो न मिले आभूषण । फैले घर में ध्वनी प्रदूषण ॥
हम जानेन कि तुम अबला हो । लेकिन तुम तो बड़ी बला हो ॥
नाथ-नाथ काहिके अस नाथेउ । आज अनाथ किहे तू बाटिव ॥
लाय के छोड़िव कौन डगर मा । भांवर लेके फंसेन भवर मा ॥
दादा सोचिन बहू जो आये । पूरे घर का स्वर्ग बनाये ॥
जबसे घर मा किहिन निवासा । दादा लिहिन स्वर्ग मा वासा ॥
हमसे तनिको होइगे टुनटुन । बैठी हो लटकाये थूथुन ॥
सुनि लेव देवी करुण पुकारा । जल्दी छोड़ो पिण्ड हमारा ॥
तुलसी बाबा नाम कमाइन । जब पत्नी से मुक्ती पाइन ॥
तुम उपकार मायके कीन्हा । रुपया पैसा सब कुछ दीन्हा ॥
विविध रूप धरि प्रेम दिखावहु । विकट रूप धरि देह जरावहु ॥
गुस्सा तोहरी नाक बिराजे । हाथे बेलन झाडू साजे ॥
जो भी तुमका आँख दिखावे । का मजाल पत्नी सुख पावे ॥
या तो तुम हो हमरी दासी । या तो हम तुम्हरे चपरासी ॥
हम सोचे तुम होइहो सीता । ज्ञान मा एक दम होइहो गीता ॥
घर की पत्नी बनी रहो तुम । हमरे सिर पर तनी रहो तुम ॥
साधु सन्त सब तुम्हरे डर से । भाग गये जंगल मा घर से ॥
तुम हो दुर्गा तुम हे काली । तुम्हरी महिमा बड़ी निराली ॥
राम लुटावन तुम्हरे वासा । सब के सब पत्नी के दासा ॥
जो पत्नी चालीसा गावै । उसके पास न झंझट आवै ॥
संकट से तुम हमे उबारो । अपने मैके जल्द सिधारो ॥
राम करे यह मिले न गोई । छूटे पिण्ड महासुख होई ॥
सुरा सुन्दरी निकट न आवै । जो पत्नी काध्यान लगावै ॥

इस चालीसा का जाप ४० दिनों तक करने से पत्नी वशीभूत हो जाती है ।

शादी आप करें - इन्तजाम हम करेंगे

Nandini Caterers
Full Arrangement of
Marriage, Receptions, Birthday, Kitty Party
11/64, Gwaltoli, Opposite P.N.B Bank, Kanpur Nagar